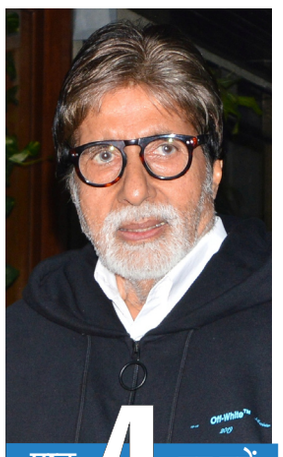

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

अमिताभ बच्चन की नहीं हुई सर्जरी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 123 ■ गुरुवार 23 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ में दिल दहला देने वाली घटना

सौतेले पिता ने की मासूम बच्चे की हत्या

- बेरहमी से गुप्तांग पर मारा, बच्चा मर गया
- हत्या का मामला दर्ज
- आरोपी रिमांड पर

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के लादीनाका परिसर में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है. सौतेले पिता ने अपने सौतेले 7 वर्षीय लड़के को इतना मारा कि उपचार के दरम्यान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके सौतेले पिता विकास सिंह को गिरफ्तार करके रिमांड पर ले लिया है.

विकास ने लड़के हसनैन इनाम कुरैशी (7) को 17-18 जुलाई को बेलन से उसके गुप्तांग पर इतना मारा कि वह गंभीर घायल हो गया. उसका उपचार केईएम अस्पताल में चल रहा था. मंगलवार 21 जुलाई की रात में उपचार के दौरान हसनैन की मौत हो गई. हसनैन की मां सकीना कुरेशी और विकास सिंह 'लीव इन रिलेशनशिप' में रहते थे. विकास ने पुलिस को बताया कि हसनैन को उसकी मांग का विकास सिंह के साथ रहना पसंद नहीं था. वह दोनों के बीच अड़चन बना हुआ था. 17 जुलाई को सकना जब काम पर गई तो विकास ने उसके गुप्तांग पर बेलन से मारकर घायल किया. उसी दिन विकास सिंह पर अपराध दर्ज करके पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था. अब 21 जुलाई को हसनैन की मौत के बाद आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज करके उसे न्यायालय में पेश करके 24 जुलाई तक रिमांड पर ले लिया है. विकास सिंह को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की जा रही है.

बच्चे की हत्या पर परिसर में चर्चा जोरों पर है.

तेजी से भर रहा बारवी डैम

- बारवी डैम में पानी का जलस्तर बढ़ा
- डैम में 60 प्रतिशत पानी
- नदियों का जलस्तर भी बढ़ा
- ठाणे जिले के नागरिकों को राहत
- जिले में औसतन 48.75 mm बारिश रिकॉर्ड

बदलापुर. ठाणे जिले में अभी भारी बारिश हो रही है, जिससे जिले के डैम में पानी का स्टोरेज ठीक-ठाक बढ़ने से लोगों और प्रशासन को बड़ी राहत मिली है। खासकर, बारवी डैम के पानी के स्टोरेज में काफी बढ़ोतरी हुई है, जो ठाणे जिले के अंबरनाथ, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली समेत कई शहरों की प्यास बुझाता है। बारवी डैम का पानी का स्टोरेज अब आधे से ज़्यादा, यानी 60 परसेंट तक पहुंच गया है। इस डैम में अभी 200.76 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का यूज़फुल स्टोरेज है, और अगर डैम के कैचमेंट एरिया में बारिश जारी रही, तो संभावना है कि डैम जल्द ही अपनी पूरी कैपेसिटी तक भर जाएगा।

तानसा डैम 97.96 परसेंट भरा

- हालांकि बारिश हर जगह एक जैसी नहीं है, लेकिन बारवी की तरह जिले के दूसरे बड़े डैम में भी काफ़ी पानी जमा हो गया है।
- शहापुर तालुका में तानसा डैम 97.96 परसेंट भर गया है और उसमें 142.12 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी जमा है, जबकि मोडक सागर डैम भी 90.12 परसेंट तक भर गया है।
- इसके अलावा, बड़ी क्षमता वाले भातसा डैम में इस्तेमाल होने वाले पानी के स्टोरेज का 67.48 प्रतिशत जमा हो चुका है। डैम से मिली इस अच्छी तस्वीर ने भविष्य में पानी की कमी का संकट टल गया है।
- इसके साथ ही, नदियों की हालत भी अभी पूरी तरह से सुरक्षित है। बदलापुर से बहने वाली उल्हास नदी का लेवल 14.50 मीटर, अंबरनाथ के जम्भुलपाड़ा में 12.40 मीटर और मोहने में 7.00 मीटर रिकॉर्ड किया गया है, जो सभी खतरे और चेतावनी के लेवल से काफी नीचे हैं।

पिछले 24 घंटों के बारिश के डेटा को देखें तो पता चलता है कि जिले में बारिश की मात्रा एक जैसी नहीं है। जिससे साफ है कि भारी बारिश हो रही है। 22 जुलाई को सुबह 8 बजे तक, जिले में पिछले 24 घंटों में औसतन 48.75 mm बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसमें से अंबरनाथ तालुका में 52 mm और उल्हासनगर में 41 mm बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, सबसे ज़्यादा बारिश ठाणे तालुका में 70 mm और मीरा-भायंदर में 67 mm रिकॉर्ड की गई, जबकि सबसे कम भिवंडी में 26 mm और कल्याण में 30 mm बारिश रिकॉर्ड की गई। मौजूदा मॉनसून सीज़न में अब तक हुई कुल बारिश को देखें तो जिले में अब तक औसतन 47.06 फीसदी बारिश हुई है।

मनपा हेल्थ सेंटर की सुरक्षा दीवार गिरी

उल्हासनगर. म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर के पीछे प्राइमरी हेल्थ सेंटर नंबर 4 की सुरक्षा दीवार लगातार बारिश की वजह से गिर गई। म्युनिसिपल हेल्थ कमिटी की चेयरपर्सन सविता तोरणे-रगड़े मौके पर पहुंचीं और इसका इंस्पेक्शन किया और हेल्थ सेंटर के खतरनाक होने की वजह से उन्होंने कमिश्नर से इसे फिर से बनवाने की मांग की है।

प्राइमरी हेल्थ सेंटर नंबर 4, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर के पीछे उल्हासनगर कैंप नंबर 3 में चल रहा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से हेल्थ सेंटर की सुरक्षा दीवार गिर गई है, जिससे हेल्थ सेंटर को भी खतरा हो गया है।

स्वास्थ्य समिति की सभापति सविता तोरणे-रगड़े ने संबंधित अधिकारियों के साथ गिरे हुए मनपा हेल्थ सेंटर की सुरक्षा दीवार का इंस्पेक्शन किया। इस मौके पर सोशल वर्कर शिवाजी रगड़े भी मौजूद थे। सभापति ने बताया कि हेल्थ सेंटर की दीवार में भी दरार आ गई है और सेंटर खतरनाक हो गया है। उन्होंने कमिश्नर मनीषा आव्हाले से हेल्थ सेंटर को फिर से बनवाने की मांग की है ताकि भविष्य में कोई अनहोनी न हो।

जिजामाता कॉलोनी कलवट कार्य का ठेकेदार बदला

- पैनल 17 के कलवट कार्य पर राजनीति गरमाई
- महापौर अश्विनी निकम ने परिसर का दौरा किया
- राकांपा अध्यक्ष भारत गंगोत्री व्यवस्था पर भड़के
- दैनिक उल्हास विकास ने खबर को प्राथमिकता दी
- महापौर के इंस्पेक्शन के बाद कॉन्ट्रैक्टर बदला

उल्हासनगर. महापौर अश्विनी निकम ने कैंप नंबर 4, जीजामाता कॉलोनी में नाले का इंस्पेक्शन किया और घटिया काम करने वाले कॉन्ट्रैक्टर को बदलकर एक्शन लेने के आदेश सिटी इंजीनियर नीलेश शिरसाठे को दिए। पूर्व नगरसेवक भरत गंगोत्री ने इस बात पर नाराज़गी जताई कि उप महापौर अमर लुंड का वार्ड होने के बावजूद समस्याएं खत्म नहीं की जा रही है। उल्हासनगर के कैंप नंबर 4 में जीजामाता कॉलोनी का नाला पहली बारिश में ही ओवरफ्लो हो गया था और कई लोगों के घरों में पानी घुस गया था। इलाके और नाले का इंस्पेक्शन करने के बाद महापौर अश्विनी निकम ने नाले को खोदकर ओवरफ्लो हो रहे पानी को निकाला। नाले के काम के लिए 40 लाख रुपये के फंड से काम शुरू हुआ। हालांकि, नाले का काम घटिया था और लोगों के घरों में फिर से पानी घुसने की संभावना थी। पूर्व नगरसेवक भरत गंगोत्री ने नाले के काम का इंस्पेक्शन किया और महापौर अश्विनी निकम को नाले के काम के बारे में बताया। मंगलवार को नाले का इंस्पेक्शन करने के बाद महापौर अश्विनी निकम ने खराब काम करने वाले कॉन्ट्रैक्टर को बदलकर एक्शन लेने का ऑर्डर दिया।

खबर का असर

डिप्टी इंजीनियर संदीप जाधव ने बताया कि महापौर के कॉन्ट्रैक्टर को बदलकर एक्शन लेने के ऑर्डर के बाद दूसरे कॉन्ट्रैक्टर को काम दिया गया। नाले के खराब काम पर बात हो ही रही थी कि बुधवार सुबह नाले में पानी का पाइप फट गया और हजारों लीटर पानी नाले में बह गया।

पूर्व नगरसेवक भरत गंगोत्री ने जवाब दिया कि शहरवासियों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा क्योंकि पानी का पाइप फटने से उस हिस्से का पानी बह रहा है जहां हर दूसरे दिन पानी आता है। यह वार्ड उप महापौर अमर लुंड के अधिकार क्षेत्र में होने के बावजूद, नाले का काम खराब होने की आलोचना हो रही है। मजदूर नेता राधाकृष्ण साठे ने सीधे कमिश्नर मनीषा आव्हाले से नाले में हजारों लीटर पानी बहने की शिकायत की और संबंधित लोगों पर एक्शन लेने की मांग की।

व्यापारी से 9.25 लाख की ठगी

कल्याण. पैसे दोगुना करने का लालच देकर साइबर ठगों ने कल्याण पश्चिम के खड़कपाड़ा निवासी एक व्यापारी से 9 लाख 25 हजार रुपये की ठगी कर ली। आरोपी ने खुद को 'विजय फॉरेक्स मार्केट' कंपनी का प्रतिनिधि बताकर व्यापारी को निवेश के नाम पर जाल में फंसाया। पीड़ित गणपत हिराराम को फोन कर आरोपी ने अधिक मुनाफे का लालच दिया और 'मेटा ट्रेडर्स-5' ऐप डाउनलोड कराया। इसके बाद अलग-अलग लिंक और क्यूआर स्कैनर भेजकर चरणबद्ध तरीके से उनसे कुल 9.25 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठगी का एहसास होने पर व्यापारी ने खड़कपाड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

DYFI का उल्हासनगर में प्रदर्शन

- पेपर लीक, शिक्षा में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन
- लाठीचार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन
- DYFI ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग
- SDO ऑफिस तक मार्च

उल्हासनगर. डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (DYFI) दक्षिण ठाणे सिटी तालुका कमेटी ने मंगलवार को उल्हासनगर में देश भर में पेपर लीक, शिक्षा में भ्रष्टाचार और दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल से शुरू हुआ मार्च SDO ऑफिस पहुंचा और केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ जोरदार नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन के दौरान, पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन सौंपा और पेपर लीक मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। DYFI ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में CBI के जरिए मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाने की मांग की। इसने यह भी मांग की कि पेपर लीक में शामिल शिक्षा अधिकारियों, कर्मचारियों और दलालों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किए जाएं और उन्हें तुरंत सस्पेंड किया जाए। बयान में दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज की न्यायिक जांच और संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, घायल छात्रों को मुआवजा, और पेपर लीक से प्रभावित छात्रों के परिवारों को आर्थिक मदद और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने की भी मांग की गई। इस मौके पर DYFI के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि शिक्षा हर किसी का बुनियादी अधिकार है और शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन ने मांगें पूरी न होने पर पूरे राज्य में जोरदार आंदोलन शुरू करने की भी चेतावनी दी।

अंबरनाथ में 4 लोगों से 40 लाख का फ्राड

- आनलाइन शेयर मार्केट में फ्राड
- चार लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ में दो साइबर क्राइम हुए हैं. शेयर मार्केट में ज्यादा मुनाफे के लालच में 4 लोगों के साथ 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है. अंबरनाथ पुलिस ने आनलाइन फ्राड करनेवाले 4 के खिलाफ अपराध दर्ज किया है. शहर पश्चिम के बेथल चर्च के पास के निवासी अल्लेन रॉकी (27) को आनलाइन दो लोगों राजीव सिंह और मीनाक्षी ने 20 लाख 80 हजार रुपए का फ्राड किया तो खुंटवली निवासी प्रकाश मडीवाल (26) और उनके दो दोस्तों के साथ आरोपी अभि और राहुल ने 18 लाख 23 हजार रुपए शेयर मार्केट में मुनाफे के नाम पर लूट लिया. अंबरनाथ पुलिस ने उपरोक्त चारों आरोपियों के खिलाफ माहिती तंत्रज्ञान अधि. 66 (ड) के तहत मामला दर्ज कर लिया है. दोनों शिकायतकर्ता को आरोपियों ने व्हाट्स एप मैसेज द्वारा बताया कि शेयर मार्केट में पैसा लगाने से अच्छा फायदा होगा. ये कहकर उन्हें विश्वास में लेकर एक एप उनके मोबाइल पर डाउनलोड करके कि लिए कहा. प्रकास ने एप डाउनलोड करके पहले 30 हजार रुपए दिए. उनको अच्छा मुनाफा बताया गया. उनसे इस तरह 9 लाख 89 हजार रुपए ले लिए. उनके मित्र असांगी आरिफ हुसैन के बैंक से 6 लाख 40 हजार रुपए दूसरे मित्र जयेश पाटिल ने भी शेयर मार्केट में फायदे को देखते हुए 2 लाख 40 हजार रुपए, इस तरह तीनों ने 18 लाख 23 हजार 500 रुपए भरे. उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ फ्राड हो रहा है तो उन्होंने पुलिस में शिकायत की है.

दूसरी घटना में अल्लेन रॉकी भी शेयर मार्केट में फायदे के लालच में फंस गए. उन्होंने 2 महिने के भीतर 20 लाख 80 हजार रुपए दोनों चीटरों के अनेक बैंकों में डाल दिए. इस तरह शेयर मार्केट में फायदे के लालच में वह भी फंस गए.

महासभा में आवास योजना पर बहस

- नागरिकों को राहत; लेकिन लड़ाई जारी

उल्हासनगर. महादेव नगर और संतोष नगर के नागरिकों के घरों पर कार्रवाई को लेकर बहस अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। उल्हासनगर मनपा की महासभा में यह मुद्दा खूब उछला और सदन के नेता और शिवसेना ग्रुप लीडर अरुण आशान ने प्रशासन को चेतावनी दी कि बिना गारंटी लिए कोई भी घर खाली नहीं किया जाएगा। इस बीच, यह जानकारी सामने आई है कि नागरिकों को जारी किए गए नोटिस कैंसिल कर दिए गए हैं और बिना किसी कारण के नोटिस जारी करने वाले संबंधित अधिकारी के खिलाफ डिपार्टमेंटल कार्रवाई करने के भी संकेत दिए गए हैं।

उल्हासनगर कैंप-4 में महादेव नगर और संतोष नगर हाउसिंग स्कीम का विवाद मनपा की महासभा में भड़क गया। सदन के नेता और शिवसेना ग्रुप लीडर अरुण आशान ने इस स्कीम के तहत प्रस्तावित प्रोजेक्ट के बैकग्राउंड में कुछ नागरिकों को जारी किए गए नोटिस के बारे में प्रशासन से जवाब मांगते हुए अपना कड़ा गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय नागरिकों को बिना भरोसे में लिए सीधे नोटिस जारी करके उनके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। बातचीत के बाद मनपा प्रशासन ने बताया कि संबंधित नोटिस कैंसिल कर दिया गया है। यह भी साफ किया गया कि SIR कैंपेन पूरा होने के बाद विभाग के तहत उस अधिकारी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी जिसने बिना किसी कारण के ऐसा नोटिस जारी किया है।

महादेव नगर और संतोष नगर के किसी भी नागरिक के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। पुनर्वास की आधिकारिक और लिखित गारंटी मिले बिना कोई भी घर नहीं तोड़ा जाएगा। नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है, और उनके सम्मान और न्याय के लिए संघर्ष आखिरी सांस तक जारी रहेगा।

– **अरुण आशान**, स्पीकर, उल्हासनगर मनपा

खोए हुए 43 मोबाइल फ़ोन मिले

अंबरनाथ. सेंट्रल एजेंसी के 'CEIR' पोर्टल की मदद से पुलिस ने 2022 से 2026 के बीच गुम हुए 43 कीमती मोबाइल फ़ोन बरामद किए हैं। पुलिस ने मंगलवार को एक खास प्रोग्राम में करीब 10 लाख 75 हज़ार रुपये की यह कीमती प्रॉपर्टी असली मालिकों को सौंप दी। लोगों ने अपने मोबाइल फ़ोन गुम होने की शिकायत अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कांस्टेबल मंगेश सूर्यवंशी ने 'CEIR' (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल के ज़रिए टेक्निकल एनालिसिस किया और इन सभी मोबाइल फ़ोन का पता लगाया। इन लगातार कोशिशों की वजह से पुलिस 10 लाख 75 हज़ार रुपये की कीमत के 43 मोबाइल फ़ोन ज़ब्त करने में कामयाब रही। पुलिस स्टेशन में हुए एक प्रोग्राम में इन मोबाइल फ़ोन को उनके असली मालिकों को लौटा दिया गया।

उल्हासनगर में दूसरी अत्याधुनिक अभ्यासिका शुरू

- आर्थिक रूप से कमजोर स्टूडेंट्स के लिए एडमिशन शुरू
- हर महीने फीस 100 रुपये

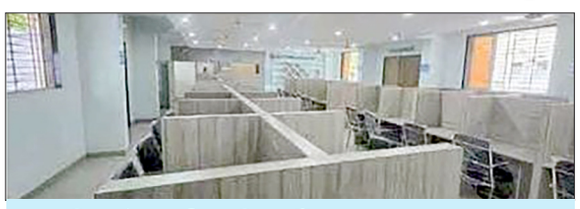

यहां मिलने वाली सुविधाएँ ....

- 100 स्टूडेंट्स के लिए अलग-अलग स्टडी रूम
- मोबाइल नेटवर्क की दिक्कत होने पर वाई-फ़ाई की सुविधा
- लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग डाइनिंग रूम
- साथ ही पीने का साफ़ पानी।
- यह स्टडी सेंटर इसलिए बनाया गया है ताकि स्टूडेंट्स शांत, सुरक्षित और अच्छी सुविधाओं वाले माहौल में पढ़ाई कर सकें।

उल्हासनगर. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के स्टूडेंट्स के लिए उल्हासनगर मनपा का अत्याधुनिक अभ्यासिका खुल गई है। इसका एडमिशन प्रोसेस शुरू हो गया है और स्टडी रूम के लिए स्टूडेंट्स से हर महीने 100 रुपये लिए जाएंगे, छह महीने तक एक साथ पेमेंट करने पर 500 रुपये। उसमें 100 रुपये की छूट मिलेगी। अगर वे साल भर के लिए एक साथ पेमेंट करते हैं तो उन्हें 1,000 रुपये देने होंगे और 200 रुपये की छूट मिलेगी।

महात्मा ज्योतिबा फुले स्कूल नंबर 17, सी-ब्लॉक इलाके में बने स्टडी रूम का शिलान्यास MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने किया था. उस समय के आयुक्त अज़ीज़ शेख की मंज़ूरी और शिक्षा विभाग की अधिकारी नीलम कदम की गाइडेंस में, डेवलपर और कॉन्ट्रैक्टर भूषण पाटिल ने 500 स्क्वेयर मीटर एरिया में ग्राउंड फ़्लोर और फ़र्स्ट फ़्लोर के तौर पर स्टडी रूम बनाया है। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले और शिक्षण समिति सभापति साक्षी सुर्वे ने स्टडी रूम की तारीफ़ की। स्टडी सेंटर के सुपरिटेंडेंट की ज़िम्मेदारी मनपा अधिकारी राजेश घनघाव को सौंपी गई है।

शिक्षा विभाग की अधिकारी नीलम कदम ने बताया कि स्टूडेंट्स की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, एंट्रेंस, एंट्रेंस हॉल, आस-पास के एरिया और स्टडी सेंटर के अंदर 15 से 20 CCTV कैमरे लगाए गए हैं और सिक्योरिटी गार्ड भी तैनात किए गए हैं।

उल्हासनगर म्युनिसिपैलिटी के स्कूलों को स्मार्ट बनाया जा रहा है और डिजिटल एजुकेशन पर जोर दिया जा रहा है। यह एजुकेशन की एक स्मार्ट डिजिटल क्रांति है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के गरीब स्टूडेंट्स के लिए एक नहीं, बल्कि दो स्टडी रूम बनाए गए हैं। आने वाले समय में इस शहर के स्टूडेंट्स सरकारी और एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस में दिखेंगे।

– **मनीषा आव्हाले**, आयुक्त

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

यूक्रेन हमले में चार भारतीयों की मौत

भारत से हर साल बड़ी संख्या में लोग बेहतर रोजगार के लिए विदेश जाते हैं और वहां से विदेशी मुद्रा यहां भेजते हैं। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलती है। मगर सवाल है कि विदेश में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? यूक्रेन के तट से रवाना हो रहे गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर हाल ही में हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत की घटना से यह सवाल एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है।

इससे पहले होर्मुज जलमार्ग में तेल के एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन की घटना पर नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया है, लेकिन क्या इससे यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होगी। जाहिर है, भारत को ऐसे मामलों में कड़ा रुख अपनाना चाहिए और पीड़ित परिवारों को भी हरसंभव सहायता मुहैया कराने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

गौरतलब है कि बीती 19 जुलाई की शाम को एमवी गोल्डन लियो नामक वाणिज्यिक जहाज पर यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना होते समय हमला हुआ था। उस वक्त जहाज पर चालक दल के सत्रह सदस्य सवार थे, जिनमें चार भारतीयों समेत दस लोगों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय का दावा है कि यह हमला रूसी सेना की ओर से किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला मामला है।

मगर सवाल है कि युद्ध के नियमों के विपरीत किसी असैन्य जहाज को निशाना क्यों बनाया गया? जबकि उस पर झंडा भी किसी तीसरे देश का लगा हुआ था। दूसरा, भारत सरकार को इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि अपने देश के नागरिकों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध के प्रभाव वाले क्षेत्रों से कैसे दूर रखा जाए। साथ ही इस तरह के हमलों में पीड़ित परिवारों की मदद और मृतकों के शव शीघ्र स्वदेश लाने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाना चाहिए।

विमर्श

फिर असहाय-निरुपाय दिखी दिल्ली

कथित राजनीतिक दल काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के संसद चलो मार्च के समय प्रदर्शनकारियों ने जैसी हिंसा की, वह उनके अलावा उन सबको दिखी, जिन्हें केवल पुलिस की सख्ती दिखाई दी। इस संसद मार्च के दौरान हिंसा इसलिए हुई, क्योंकि भीड़ बेलगाम थी और उसमें छात्रों के साथ अराजक तत्व भी थे। इन तत्वों को मनमानी करने का अवसर इसलिए मिला, क्योंकि संसद मार्च का न तो कोई नेतृत्व करने वाला था और न ही भीड़ को निर्देशित करने वाला। जब दिल्ली की सड़कों पर हंगामा और हिंसा हो रही थी, तब सीजेपी के दो नेता केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करने और उन्हें ज्ञापन देने में लगे हुए थे।

यह ज्ञापन देने में उन्हें चार घंटे से ज्यादा लग गए। जो नेता बचे थे, उनमें से एक बर्गर खाने चले गए और जो मौके पर थे, उनका इरादा भीड़ को लेकर येन-केन-प्रकारेण संसद के करीब तक पहुंचना था। वे लगभग सफल भी हो गए, लेकिन इस जबरिया कोशिश में पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी, दोनों ही बड़ी संख्या में घायल हुए। इस दौरान जिस तरह दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हुए, उससे यही पता चलता है कि भीड़ में हिंसा फैलाने वाले भी शामिल थे और इसकी तैयारी से आए थे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ में ऐसे तत्व हों तो हिंसा से बचना संभव नहीं होता। यही दिल्ली में हुआ-बीते सात साल में तीसरी बार। जितना यह सही है कि सीजेपी के संसद मार्च के दौरान पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठी चार्ज किया, उतना ही यह भी कि भीड़ ने अराजकता का सहारा लिया और जमकर पथराव किया।

स्पष्ट है कि पुलिस न तो भीड़ का अनुमान लगा सकी और न ही उनके इरादों का। कुछ ऐसा ही 2019-20 में शाहीन बाग धरने के समय हुआ था और 2021 में किसान आंदोलन और खासकर गणतंत्र दिवस पर उनकी ट्रैक्टर रैली के वक्त भी।

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के खिलाफ शाहीन बाग में एक मुख्य सड़क को घेरकर करीब सौ दिन तक धरना दिया गया था। इस धरने के कारण ही दिल्ली में तब भीषण दंगा हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी में थे। इस दंगे का पहला शिकार बने थे कांस्टेबल रतन लाल। इस दंगे में 50 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें एक आइबी कर्मी अंकित शर्मा भी थे। उनकी हत्या के आरोप में आम आदमी पार्टी के पार्षद रहे ताहिर हुसैन को हाल में दोषी ठहराया गया है। वही ताहिर, जिसे मीडिया के एक हिस्से के साथ अन्य अनेक ने निर्दोष होने का सर्टिफिकेट दे दिया था। ऐसे ही सर्टिफिकेट तब बांटे गए थे, जब किसान आंदोलन के दौरान 26 जनवरी को कथित किसानों ने दिल्ली में ट्रैक्टर रैली निकाली थी। इस रैली में शामिल अराजक ट्रैक्टर सवारों ने लाल किले पर धावा बोल दिया था। उस समय करीब सौ पुलिस वाले पीटे गए थे। तब भी अराजक भीड़ के सामने पुलिस और प्रशासन के साथ मोदी सरकार असहाय सी दिखी थी।

यह भी याद रखें कि शाहीन बाग धरने पर बैठे लोगों और किसान आंदोलनकारियों को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी कुछ नहीं किया था। जो किया भी था, वह समस्या बढ़ाने वाला रहा। उसने शाहीन बाग में धरनारत लोगों से बातचीत के लिए एक समिति गठित कर दी थी। इसी तरह तीन कृषि कानूनों की वैधानिकता जांचे बिना उनके अमल पर रोक लगा दी थी। इससे आंदोलनकारियों और उनके समर्थकों में संदेश गया कि उनका पक्ष सही है और फिर वे करीब एक साल तक दिल्ली को एक तरह से बंधक बनाकर बैठे रहे। वे तब लौटे, जब मजबूत मानी जाने वाली मोदी सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी। इस बार क्या होगा, कहना कठिन है, क्योंकि सीजेपी समर्थक अब भी जंतर-मंतर पर जुटे हैं। इसी के साथ पंजाब के किसान संगठनों को अचानक यह पता चला कि अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में उनके हित की अनदेखी हो सकती है, इसलिए वे दिल्ली जाने को मचल उठे। इसमें कोई दो राय नहीं कि नीट पेपर लीक कांड ने छात्रों को उद्वेलित किया और सीजेपी को सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश की एक अवांछित टिप्पणी के बहाने कटाक्ष के तौर पर ही सही, खुद को राजनीतिक दल में तब्दील करने का मौका मिला, पर अब इस मौके को हर कोई भुनाने को तैयार है। सरकार इसका सामना कैसे करती है, यह वही जाने, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि वह हालात को भांपने में एक बार फिर चूकी। इसकी ही कीमत दिल्ली ने चुकाई।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

प्रभु का प्रकाश हम में से हर एक के अंदर है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

संसद में संवाद से ही निकलेगा गतिरोध

यह एक आदर्श स्थिति है कि देश की संसद में विधायी कामकाज सामान्य तरीके से पूरा हो। इसे सुनिश्चित करने की जितनी जिम्मेदारी विपक्षी दलों की है, उससे ज्यादा बड़ा दायित्व खुद सरकार का है कि वह विवादित मुद्दों पर संवाद के जरिए आमराय बनाकर सदन का काम सुचारु रूप से पूरा होने की स्थितियां निर्मित करे।

इसमें वैसे मुद्दे भी शामिल हैं, जो देश में किन्हीं वजहों से अचानक खड़े हो जाते हैं और जनता की ओर से उन पर सरकार से जवाब की उम्मीद या मांग की जाती है। विपक्षी दलों का कर्तव्य है कि वे जनता की नुमाइंदगी करते हुए उनकी आवाज, उनके मुद्दों को संसद में उठाएं और सरकार से जवाब मांगें।

मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि सरकार को इस तरह की स्थितियों में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए अपनी ओर से पहल करना कोई गैर-महत्त्व की बात लगती है। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ता है। सवाल है कि देश की संसद अगर जनता के मुद्दों पर विचार और बहस के जरिए किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नहीं, तो आखिर किसलिए है!

गौरतलब है कि मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही इसलिए स्थगित कर दी गई कि विपक्षी दल सरकार से इस पर जवाब चाहते थे कि एक दिन

पहले दिल्ली में संसद मार्च के आह्वान के तहत जुटे युवाओं पर जिस तरह की पुलिस कार्रवाई देखी गई, उसकी जिम्मेदारी तय हो।

मगर इसके बजाय दोनों सदनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुए हंगामे की वजह से कार्यवाही स्थगित कर दी गई। स्वाभाविक ही विपक्षी दलों को यह आरोप लगाने का मौका मिला कि हम पुलिस के अत्याचार, प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठी चलाने और उनके घायल होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने तथा गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने चर्चा का अवसर नहीं दिया, हमारा मुंह बंद करा दिया।

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की ओर से अगर ऐसे सवाल उठाए जाते हैं, तो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। विडंबना यह है कि न तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करके कोई हल निकालने की कोशिश की गई और न ही संसद में इस मसले पर बहस के लिए सकारात्मक माहौल निर्मित किया जा रहा है।

सवाल है कि अगर सरकार को बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालना प्राथमिक और जरूरी नहीं लग रहा है, तो उसकी नजर में इसका क्या समाधान है। विपक्षी दल भी आम नागरिकों का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर वे एक ज्वलंत मुद्दे पर बहस चाहते हैं और सरकार से जवाब मांग रहे हैं, तो इसे संवाद के रास्ते ही एक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सकता है।

इसके बाद संसद में बाकी विधायी कामकाज भी सहजता के साथ निपटाए जा सकते हैं। मगर पिछले कुछ समय से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ज्यादातर मुद्दों पर मतभिन्नता सीधे टकराव का रूप लेने लगी है और सबसे आसान उपाय सदन को स्थगित करना मान लिया जाता है। क्या यह समस्याओं का हल तलाशने और जनभावनाओं को तुष्ट करने का कोई आदर्श उपाय हो सकता है? दोनों सदनों की कार्यवाही पर हर रोज करोड़ों रुपये का खर्च आता है। संसद की उपयोगिता का आधार लोकतांत्रिक संवाद ही है। अगर संवाद की जगह सिकुड़ेगी, तो लोकतंत्र कमजोर होगा और यह ध्यान रखने की जरूरत है कि देश की वास्तविक शक्ति लोकतंत्र में ही निहित है।

हॉस्टल के मेस में दरवाजे से मगरमच्छ की एंट्री

सोचिए आप अपने काम में व्यस्त हों और आपको जरा भी अंदाजा न हो कि खतरा बस कुछ कदम पीछे

जरा हट के

खड़ा है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो लोगों को इसलिए डरा रहा है, क्योंकि इसमें कैमरे ने वही पल कैद कर लिया, जिसे देखकर किसी की भी सांसें थम जाएं.

यह वीडियो राजस्थान के शिक्षा नगरी बोले जाने वाले कोटा शहर का है. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक हॉस्टल की मेस में एक शख्स बिल्कुल बेफिक्र होकर खाना बना रहा होता है. वह अपने काम में पूरी तरह व्यस्त था. उसे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि अगले ही पल उसके साथ क्या होने वाला है.

तभी अचानक पीछे से एक बड़ा सा मगरमच्छ चुपचाप मेस के अंदर दाखिल हो जाता है. यह मगरमच्छ करीब 4 से 5 फीट लंबा था मगरमच्छ की चाल और उसका आकार

देखकर ही किसी की भी रोंगटे खड़े हो जाएं. वह धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और मेस के बीचों-बीच पहुंच जाता है. वो मगरमच्छ इतनी शांती से किचन में जाता है मानों वो उस शख्स से कह रहा हो 'भैया मुझें खाने को कुछ मिलेगा क्या?'

जैसे ही शख्स की मुड़कर पीछे देखता है तो वह सहम जाता है. इतने खतरनाक और खूंखार जानवर को अपने इतने करीब देखकर कुक की सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती है. वह एक पल को भी देरी नहीं करता और अपनी जान बचाने के लिए तुरंत वहां से दुम दबाकर भाग जाता है. गनीमत यह रही कि समय रहते उसकी नजर मगरमच्छ पर पड़ गई, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था. यहां देखें वीडियो

इस डरावने और चौंकाने वाले वीडियो को माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर '@Vishii14' नाम के यूजर ने शेयर किया है. वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर हाहाकार मच गया.

यूजर्स इस पर लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. लोग हैरान हैं कि आखिर शहर के बीचों-बीच या हॉस्टल के अंदर इतना बड़ा मगरमच्छ कैसे पहुंच गया?

मैंगो रबड़ी

खाना-खजाना

सामग्री:

फुल क्रीम दूध- 1 लीटर
पके हुए आम- 2 बड़े
चीनी- 3 से 4 बड़े चम्मच
हरी इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
केसर- 8-10 धागे
ड्राई फ्रूट्स- 2 बड़े चम्मच

बनाने की विधि:

सबसे पहले एक भारी तले वाली कढ़ाई या पैन में एक लीटर फुल क्रीम दूध डालें और मध्यम आंच पर दूध में उबाल आने दें।

उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और दूध को धीरे-धीरे पकने दें। चम्मच से दूध को बीच-बीच में चलाते रहें और किनारे पर जमने वाली मलाई को खुरचकर वापस दूध में मिलाते जाएं।

दूध को तब तक पकाएं जब तक वह अपनी मात्रा का लगभग एक-तिहाई न रह जाए और गाढ़ा होकर लच्छेदार न बन जाए।

जब दूध गाढ़ा हो जाए, तब इसमें चीनी, भीगा हुआ केसर और

इलायची पाउडर डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और 3-4 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें ताकि चीनी पूरी तरह से घुल जाए।

इसके बाद गैस बंद कर दें और रबड़ी को रूम टेंपरेचर पर पूरी तरह ठंडा होने दें।

जब तक रबड़ी ठंडी हो रही है, आमों को छीलकर उनके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। थोड़े से आम के टुकड़ों को गार्निशिंग के लिए अलग रख लें और बाकी टुकड़ों को ब्लेंडर में डालकर एक स्मूथ प्यूरी बना लें।

जब रबड़ी पूरी तरह से ठंडी हो जाए, तो इसमें आम का पल्प डालकर अच्छी तरह व्हिस्क या चम्मच से मिलाएं।

अब रबड़ी को कम से कम 2 से 3 घंटे के लिए फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। जब मैंगो रबड़ी अच्छी तरह ठंडी हो जाए, तो इसे सर्विंग बाउल में निकालें। ऊपर से कटे हुए आम के टुकड़े, पिस्ता और बादाम से सजाकर ठंडा-ठंडा परोसें।

क्या आप भी भूल रहे हैं छोटी-छोटी बातें?

अचानक आने वाले स्ट्रोक या लकवे जैसे मामले किसी भी परिवार को झकझोर कर रख देते हैं। ऐसे मुश्किल वक्त में अक्सर लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या इस खतरे को पहले ही टाला जा सकता था? न्यूरोलॉजी के जानकारों की मानें, तो इसका जवाब 'हां' है। आइए जानते हैं कि बिना किसी बड़े खर्च के रोजमर्रा की जिंदगी में क्या बदलाव किए जा सकते हैं।

■ मुफ्त का इलाज है वर्कआउट

हर हफ्ते कम से कम 150 मिनट की फिजिकल एक्टिविटी दिमाग के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसमें तेज चलना, तैरना, साइकिल चलाना या योग शामिल किया जा सकता है। इससे न सिर्फ दिमाग में ब्लड फ्लो अच्छा होता है और नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं, बल्कि ब्लड प्रेशर और शुगर भी नियंत्रण में रहते हैं। ध्यान रहे, स्ट्रोक के ज्यादातर मामलों के पीछे इन्हीं दो बीमारियों का हाथ होता है।

■ डाइट में करें ये जरूरी बदलाव

दिमाग को सेहतमंद रखने के लिए सही भोजन बहुत जरूरी है। अपनी डाइट में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, नट्स और बीजों का सेवन बढ़ाएं।

ओमेगा-3: इसके लिए अखरोट या फैटी फिश का सेवन किया जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स: यह बेरीज और हरी सब्जियों से भरपूर मात्रा में मिलता है।

इसके अलावा, खाने में ज्यादा नमक, चीनी और प्रोसेस्ड फूड से

दूरी बनाना खून की नसों को सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभाता है।

■ 7 से 9 घंटे की नींद क्यों है जरूरी?

बिना किसी रुकावट के सात से नौ घंटे की गहरी नींद लेना दिमाग की 'सर्विसिंग' जैसा है। सोते समय ही हमारा दिमाग दिन भर की यादों को सहेजता है, अपनी टूट-फूट की मरम्मत करता है और हानिकारक तत्वों को बाहर निकालता है। जो लोग लंबे समय तक ठीक से नहीं सोते, उनकी याददाश्त और फोकस करने की क्षमता धीरे-धीरे, बिना कोई संकेत दिए, कमजोर पड़ने लगती है।

■ तनाव घटाएं और अपनों के साथ वक्त बिताएं

लंबे समय तक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ा रहने से मूड और याददाश्त पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इससे बचने के लिए गहरी सांसें लें, ध्यान करें या बाहर सैर पर जाएं। स्मार्टफोन को किनारे रखकर परिवार के साथ समय बिताना और मजबूत रिश्ते बनाए रखना, ढलती उम्र में दिमाग के लिए किसी भी महंगी दवा से ज्यादा असरदार साबित होता है।

■ दिमागी कसरत भी है जरूरी

शरीर की तरह दिमाग को भी एक्टिव रखना चाहिए। इसके लिए अच्छी किताबें पढ़ें, पहेलियां सुलझाएं या फिर कोई नई भाषा या म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट सीखें। इन गतिविधियों से 'कॉग्निटिव रिजर्व' बढ़ता है, जो बढ़ती उम्र के असर से दिमाग को बचाने के लिए एक शील्ड की तरह काम करता है।

■ खतरे की घंटी है ऐसी सोच

वजन, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर और शुगर को हमेशा नियमित चेकअप के जरिए कंट्रोल में रखना चाहिए। शराब और सिगरेट जैसी बुरी आदतों को 'अगले साल छोड़ देंगे' वाली सोच बहुत खतरनाक हो सकती है, क्योंकि कई बार यह सीधे स्ट्रोक का कारण बन जाती है।

आज का राशिफल

मेष : व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मिथुन : व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी।

कर्क : जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंह : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे। जल्दबाजी न करें। कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या : संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला : विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक : प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। दूसरों के उकसाने में न आकर महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें, लाभ होगा।

धनु : कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। तनाव रहेंगे।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें। किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। कमजोरी महसूस होगी।

कुंभ : घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन : चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। जोखिम न लें। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बरसात में दाल-चावल में लग रहे हैं कीड़े?

बरसात का मौसम आते ही घरों में रखी दाल और चावल में कीड़े या घुन लगने की समस्या बढ़ जाती है. इसकी सबसे बड़ी वजह हवा में बढ़ी हुई नमी होती है. यदि दाल और चावल को सही तरीके से स्टोर न किया जाए, तो वे जल्दी खराब हो सकते हैं. हालांकि, कुछ आसान और असरदार देसी उपाय अपनाकर दाल और चावल को लंबे समय तक सुरक्षित, ताजा और कीड़ों से बचाकर रखा जा सकता है.

■ एक बार अपनाएं ये देसी ट्रिक

■ पूरे सीजन रखेंगे अनाज सुरक्षित

दाल और चावल को डिब्बे में भरते समय उसमें कुछ अच्छी तरह सूखी नीम की पत्तियां डाल दें. ध्यान रखें कि पत्तियों में बिल्कुल भी नमी न हो. नीम में प्राकृतिक कीटनाशक गुण पाए जाते हैं, जो कीड़ों और घुन को दूर रखने में मदद करते हैं. यह आसान घरेलू उपाय अनाज को लंबे समय तक सुरक्षित और ताजा बनाए रखने में काफी प्रभावी माना जाता है.

हल्दी भी दाल और चावल को

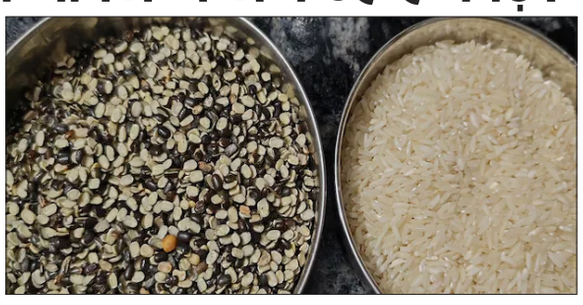

सुरक्षित रखने का एक प्रभावी घरेलू उपाय मानी जाती है. हल्दी में मौजूद प्राकृतिक गुण कीड़ों और घुन को दूर रखने में मदद करते हैं. इसके लिए अनाज के डिब्बे में साबुत हल्दी की गांठ या थोड़ी-सी हल्दी रखी जा सकती है. इससे दाल और चावल लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं और उनमें कीड़े लगने की संभावना काफी कम हो जाती है.

बरसात के मौसम में थोड़ी-सी हींग और लहसुन की कलियों को एक साफ कपड़े में बांधकर दाल या चावल के डिब्बे में रख दें. इनकी तेज खुशबू कीड़ों और घुन को दूर रखने में मदद करती है. यह आसान घरेलू उपाय अनाज को लंबे समय तक सुरक्षित और ताजा बनाए रखने में सहायक माना जाता है. साथ ही दाल और चावल में कीड़े लगने की संभावना भी काफी कम हो जाती है.

दाल और चावल के डिब्बे में 5 से 6 तेजपत्ते रख दें. तेजपत्ते की तेज प्राकृतिक खुशबू कीड़ों और घुन को दूर रखने में मदद करती है. बरसात के मौसम में यह आसान और प्रभावी घरेलू उपाय काफी उपयोगी माना जाता है. इससे अनाज लंबे समय तक सुरक्षित, ताजा और कीड़ों से बचा रह सकता है.

बरसात के मौसम में यदि आप अधिक मात्रा में दाल और चावल स्टोर करके रखते हैं, तो उन्हें महीने में एक या दो बार हल्की धूप जरूर दिखाएं. धूप से अतिरिक्त नमी निकल जाती है, जिससे कीड़े और घुन पनपने की संभावना काफी कम हो जाती है. धूप दिखाने के बाद दाल और चावल को पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर साफ व सूखे डिब्बे में भरकर रखें. यह आसान उपाय अपनाने से अनाज लंबे समय तक सुरक्षित, ताजा और कीड़ों से बचा रह सकता है.

बारिश में दीवारों पर क्यों जम जाती है फफूंदी?

■ जानिए इसकी असली वजह और बचाव के आसान तरीके

मानसून आते ही कई घरों की दीवारों पर काले, हरे या भूरे रंग के धब्बे दिखाई देने लगते हैं. लोग अक्सर इन्हें सिर्फ गंदगी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये फफूंदी (Mold) हो सकती है. यह न सिर्फ घर की खूबसूरती खराब करती है, बल्कि लंबे समय तक बनी रहे तो सेहत पर भी असर डाल सकती है. आइए जानते हैं कि बारिश के मौसम में दीवारों पर फफूंदी क्यों जमती है और इससे कैसे बचा जा सकता है.

■ फफूंदी आखिर होती क्या है?

फफूंदी एक तरह का सूक्ष्म फंगस (Fungus) है, जो नमी वाली जगहों पर तेजी से पनपता है. इसके छोटे-छोटे बीजाणु (Spores) हवा में मौजूद रहते हैं. जब इन्हें नम सतह और अनुकूल तापमान मिलता है, तो ये बढ़ने लगते हैं और कुछ ही दिनों में दीवार पर धब्बों के रूप में दिखाई देने लगते हैं.

■ बारिश में क्यों बढ़ जाती है समस्या?

मानसून के दौरान घर में नमी बढ़ना सबसे बड़ा कारण होता है. अगर किसी दीवार में पानी का रिसाव हो, छत टपकती हो या कमरे में धूप और हवा कम आती हो, तो वहां फफूंदी बनने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है. बंद कमरे, लगातार एसी चलाना और खिड़कियां न खोलना भी नमी को बाहर निकलने नहीं देता. यही वातावरण फफूंदी के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है.

फफूंदी से बचने के आसान तरीके

फफूंदी से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है घर में नमी को कम रखना. अगर कहीं पानी का रिसाव है, तो उसे जल्द ठीक कराएं. रोज कुछ समय के लिए खिड़कियां खोलें, ताकि ताजी हवा अंदर आ सके. बाथरूम और किचन में एग्जॉस्ट फैन का इस्तेमाल करें और गीली दीवारों को लंबे समय तक नम न रहने दें. जरूरत पड़ने पर एंटी-फंगल पेंट या सीलेंट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है, खासकर उन जगहों पर जहां हर साल सीलन की समस्या होती है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बीवी प्रेमी के साथ मिलकर मुझे मार डालेगी; डरे-सहमे पति ने जान बचाने की गुहार

मेरठ. यूपी के मेरठ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने पत्नी और उसके प्रेमी पर हत्या की सजिश रचने का आरोप लगाया है। युवक ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मेरी पत्नी अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर सकती है। मुस्कान, रविता और दामिनी की तरह वारदात करने की धमकी दे रही है। इस मामले में पुलिस ने दोनों पक्ष को जांच के लिए बुलाया है। ये मामला सर्वोदय कॉलोनी का है। यहां रहने वाला एक युवक सिविल लाइन थाने पहुंचा। युवक ने अधिकारियों को बताया कि उसकी शादी 22 जून 2025 को मेडिकल क्षेत्र की रहने वाली एक युवती से हुई थी। आरोप लगाया कि शादी के बाद पता चला कि महिला का किसी अन्य युवक से प्रेम प्रसंग है। पत्नी कई बार विवाद करके घर चली जाती थी। शक होने पर छानबीन की तो प्रेम प्रसंग का खुलासा हुआ। विरोध करने पर पत्नी ने अपने पुरुष मित्र से हत्या कराने की धमकी दी।

16 साल की उम्र में छात्र को आया हार्ट अटैक, अचानक सीने में उठा दर्द और फिर...

मुरादाबाद. युवाओं में अचानक हार्ट अटैक आने के बढ़ रहे मामलों के बीच यूपी के मुरादाबाद में 16 साल के छात्र को हार्ट अटैक आने का मामला सामने आया है। उसके सीने के बीचोबीच कई बार दर्द उठने की शिकायत के साथ परिवार के लोग उसे लेकर निजी चिकित्सक के पास पहुंचे। खून और ईसीजी जांच में उसे हार्ट अटैक आने की पुष्टि हुई। छात्र का इलाज जारी है और डॉक्टरों का कहना है कि इसके कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मामले में मिली जानकारी के अनुसा मुरादाबाद में दीनदयाल नगर स्थित फिजीशियन डॉ.आरसी अग्रवाल के यहां इस छात्र का इलाज चल रहा है। डॉ.आरसी अग्रवाल ने बताया कि उसकी खून की जांच कराने पर ट्रॉप टी व सीपीके-एमबी पॉजिटिव आया। जोकि हार्ट अटैक आना कन्फर्म करता है। ईसीजी में गड़बड़ी मिली। हालांकि, कोलेस्ट्रॉल, शुगर स्तर, किडनी फंक्शन सामान्य आया। छात्र के पिता की हरथला में किराने की दुकान है। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए वह कोचिंग संस्थान में पढ़ाई कर रहा है। उसके सीने में बीचोबीच दर्द उठा था।

गांजा तस्कर की सैलरी 35 हजार महीना, माफिया की नौकरी कर रही महिला गिरफ्तार

नोएडा. ओडिशा के भुवनेश्वर से गांजा तस्करी कर दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा में सप्लाई देने जा रही महिला नजारा खातून को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तीन बैगों में 34.5 किलो गांजा बरामद किया है। ओडिशा में बैठा माफिया 18 हजार से 35 हजार रुपये मासिक वेतन पर लोगों से तस्करी कराता है। इन तस्करों को महीने में तीन से पांच चक्कर लगाने होते हैं। ओएन सिंह और एसएन पाटीदार ने बताया कि संयुक्त चेकिंग में एक महिला दिल्ली जाने के लिए प्लेटफार्म पर संदिग्ध हालत में बैठी दिखी। आशंका पर पूछा तो इधर-उधर की बातें बताने लगी। जामा तलाशी में बैग से गांजा मिला। इस गांजे की कीमत अंतरराज्यीय बाजार में 20 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। महिला नसीब विहार, लिंक रोड लोनी गाजियाबाद की निवासी है।

NDA में शामिल होगी NCP-SP?

बेटी सुप्रिया सुले के साथ पीएम मोदी से मिले शरद पवार

नई दिल्ली. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार और उनकी बेटी व सांसद सुप्रिया सुले ने आज 22 जलाई को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस अप्रत्याशित मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में इन अटकलों को फिर से हवा दे दी है कि क्या शरद पवार का गुट NDA के करीब जा रहा है।

संसद भवन में प्रधानमंत्री के कक्ष में हुई इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने शरद पवार का हाथ पकड़कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सामने आई तस्वीरों में दोनों नेता बेहद सहज नजर आए और उनके बीच लंबी बातचीत हुई।

इस मुलाकात से एक दिन पहले (मंगलवार को) ही शरद पवार और सुप्रिया सुले जंतर-मंतर गए थे, जहां उन्होंने NEET-UG पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और 'CJP' के आंदोलन को अपना समर्थन दिया था। शरद पवार ने पेपर लीक और छात्रों के आंदोलन का मुद्दा उठाया था। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों की आवाज दबाने के बजाय, सरकार उनकी मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करे और उचित कदम उठाए। पवार की पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग का भी समर्थन किया है।

छात्रों के मुद्दे के इतर, इस मुलाकात ने महाराष्ट्र और केंद्र की राजनीति में बड़े उलटफेर के संकेत दिए हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शरद पवार की पार्टी मॉनसून सत्र में मोदी सरकार के अहम और विवादास्पद 'परिसीमन बिल' का समर्थन कर सकती है। पिछले सत्र में विपक्ष ने एकजुट होकर इसके खिलाफ वोट किया था। अगर NCP (SP) इसका समर्थन करती है, तो मोदी सरकार को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा जुटाने में बड़ी मदद मिलेगी।

पिछले कुछ दिनों में NCP (SCP) के नेता जयंत पाटिल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच हुई बैठकों से भी NDA के साथ गठबंधन की सुगबुगाहट तेज हुई थी। हालांकि, सुप्रिया सुले ने हाल ही में NDA में शामिल होने की अटकलों को खारिज किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि न तो उन्हें और न ही पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को बीजेपी या किसी अन्य दल से ऐसा कोई प्रस्ताव मिला है, और नेताओं की हालिया मुलाकातें केवल प्रशासनिक कार्यों के लिए थीं न कि किसी राजनीतिक पुनर्गठन के लिए।

सिक्किम में टनल पर लैंडस्लाइड, 20 मजदूरों के शव मिले

- 5 अब भी फंसे; टनल में मीथेन गैस भरी, बचावकर्मी बेहोश हुए

सिक्किम में एनएचपीसी के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की टनल में फंसे 25 में से 20 मजदूरों के शव मंगलवार देर रात बरामद कर लिए गए। रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटीं टीमें देर रात तक बाकी पांच मजदूरों तक नहीं पहुंच पाईं।

ये मजदूर टनल में अलग-अलग पॉइंट पर फंसे थे। टीमें इन तक पहुंचने के लिए 24 घंटे से मशक्कत कर रही थीं, लेकिन टनल में मीथेन गैस भरी होने के चलते कई बचावकर्मी बेहोश हो गए। यह आदित-3 टनल है, जो नामची जिले के समरडुंग-झोलुंगय में बन रहे तीस्ता स्टेज-6 प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसे पटेल इंजीनियरिंग कंपनी बना रही थी।

कॉकरोच पार्टी समर्थकों की पिटाई पर संसद में हंगामा

- अखिलेश बोले- बेटियों के कपड़े फाड़े, ये अधिकार किसने दिया
- काले कपड़े पहनकर पहुंचे विपक्षी सांसद

नई दिल्ली. संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में पूछा कि पुलिस को बेटियों के कपड़े फाड़ने का अधिकार किसने दिया?

लोकसभा में कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष की मांग बिल्कुल स्पष्ट है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार NEET पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है।

राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार विरोध कर रहा है।

हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के एक मिनट बाद ही स्थगित कर दी गई। दोपहर 12 बजे सदन दोबारा शुरू हुआ, लेकिन करीब 5 मिनट बाद फिर से दोपहर 2 बजे तक स्थगित करना पड़ा। राज्यसभा की कार्यवाही भी 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

CJP का प्रदर्शन, दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशन बंद

- बंगाल से 2 हजार CRPF जवान एयरलिफ्ट किए गए
- कॉकरोच पार्टी बोली- सरकार बात करने आए

नई दिल्ली. कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बीच सरकार ने दूसरी बार बातचीत की पेशकश की है। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा उनसे बात करना चाहते हैं और उन्हें उनके आवास पर बुलाया था लेकिन पार्टी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

उधर, सुरक्षा के कारणों से दिल्ली के 16 मेट्रों स्टेशन बंद कर दिए गए है। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन का आज 33वां दिन है। यहां बुधवार सुबह से हजारों प्रदर्शनकारी जुटे हैं। इनमें 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस की लाठियों, आंसू गैस के गोलों का शिकार हुए लोग भी पहुंचे हैं।

इधर दिल्ली पुलिस ने संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा पर अलग-अलग थानों में 10 FIR दर्ज की हैं। प्रदर्शनकारियों पर RAF जवानों पर जानलेवा हमला, पथराव, तोड़फोड़ और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप हैं।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह मंगलवार देर रात गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मिले। वांगचुक 28 जून से अनशन पर हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें मंगलवार को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता में भर्ती कराया गया है।

NEET पेपर लीक पर संसद में चर्चा को तैयार सरकार

नई दिल्ली. दिल्ली में NEET पेपर लीक को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच सरकार ने बुधवार को एक बार फिर यह आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे को लेकर सरकार संसद में चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रीजीजू ने आज लोकसभा में एक बयान में कहा कि सरकार ने बीते 3 दिनों से विपक्ष को चर्चा के लिए न्योता दिया है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा कब होनी है, कितनी लंबी होनी है और किस नियम के तहत होनी है, इसका फैसला लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सभी पार्टी के नेताओं से बात कर लेंगे। हालांकि इस बीच विपक्ष ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ी हुई है।

इससे पहले संसद में मॉनसून सत्र के तीसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही एक बार फिर कई बार स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सरकार की ओर से पक्ष रखने के लिए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू का नाम पुकारा। इसी बीच कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई और इस मुद्दे पर विपक्ष के स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ जिस तरह सरकार की ओर से बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की गई, उससे पूरा देश दुखी है। उन्होंने कहा, "हमारी मांग बहुत स्पष्ट है कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। अगर आप स्वीकार करते हैं तो हमारे स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराएं।"

क्या बोले रीजीजू?

इस पर रीजीजू ने जवाब देते हुए कहा, "सरकार नीट पेपर लीक पर चर्चा के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमने पहले दिन से यह बात कही है। लेकिन चर्चा नियम के तहत होती है। चर्चा कब होनी है, कितनी लंबी होनी है और किस नियम के तहत होनी है, इसका निर्णय अध्यक्ष सभी दलों के नेताओं से बात कर लेंगे।" उन्होंने आगे कहा कि, "इस देश के युवाओं के भविष्य के लिए हम सब मिलकर सार्थक चर्चा करें, सरकार यही चाहती है।"

ममता समर्थक विधायक को मार्शलों ने विस से बाहर किया

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा में बुधवार को बजट चर्चा के दौरान हंगामा हुआ। TMC विधायक कुणाल घोष को मार्शलों ने उठाकर सदन के बाहर निकाल दिया। कुणाल घोष ने TMC के बागी गुट के विधायक अखरुज्जमां का भाषण शुरू होते ही विरोध किया। वे अपनी सीट छोड़कर उनके सामने पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। इससे अखरुज्जमां अपना भाषण नहीं दे सके। सदन में शोर-शराबा और धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बन गई।

हमारे पास टाइम नहीं है

- कॉकरोचों से मारपीट वाली याचिका देख बोले CJI सूर्यकांत

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक याचिका दाखिल हुई थी। अब CJI यानी भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इसपर सुनवाई से साफ इनकार कर दिया है। साथ ही कहा है कि वह अब कोई वीडियो नहीं देखेंगे। याचिकाकर्ता ने सोमवार को संसद मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प का जिक्र किया था।

अदालत पहुंचे वकील की तरफ से वीडियो पेश किए जाने का अनुरोध किया था। साथ ही गुरुवार को याचिका पर सुनवाई की भी मांग की थी। बार एंड बेंच के अनुसार, उन्होंने कहा, 'मेरे पास वीडियोज भी हैं... पुलिस क्रूरता से जुड़े हुए। अगर कल यह के लिए यह मामला सूचीबद्ध कर लिया जाए तो...। वहां छात्र भी मौजूद थे।' CJP के बैनर तले प्रदर्शन में कई पुलिसकर्मी और छात्र घायल हुए थे।

सीजेआई सूर्यकांत ने इस याचिका पर गुरुवार को भी गौर करने से मना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कहा, 'हमारा और अपना समय खराब न करें।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास कल समय नहीं है। हमारे पास समय नहीं है। हम कोई भी वीडियो नहीं देखना चाहते...।'

सोमवार को क्या हुआ

जून से ही जंतर मंजर पर प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई यानी सोमवार को संसद तक मार्च का ऐलान किया था। इसमें प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में पहुंचे थे। कुछ समय बाद दिल्ली पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की खबरें भी सामने आईं। वहीं, इस दौरान कई पुलिस कर्मी भी घायल हो गए हैं।

ट्रम्प की चेतावनी- ईरान में पुल और बिजली घरों को उड़ा देंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर ईरान को बमबारी की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में एक भी जहाज पर हमला हुआ तो ईरान में पुल और बिजली घरों को उड़ा देंगे। इसमें तेहरान की राजधानी के अंदर या उसके पास मौजूद पुल और बिजलीघर भी शामिल होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, अब से अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी जहाज पर मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य हथियार से हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के एक पुल या बिजलीघर को बम से उड़ा देगा।

जम्मू और कश्मीर में आतंकी हमला, पुलिसकर्मी को मार डाला

- ऑपरेशन जारी

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में बुधवार को आतंकियों ने एक पुलिस गश्ती दल पर अचानक हमला कर दिया। इस कायरतापूर्ण हमले में ड्यूटी पर तैनात एक हेड कांस्टेबल की जान चली गई। प्रारंभिक रिपोर्ट और सूत्रों के मुताबिक, यह हमला एक वाहन में सवार आतंकी द्वारा किया गया था, जिसने गश्त कर रही पुलिस टीम पर अचानक फायरिंग कर दी।

यह घटना बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे अनंतनाग शहर के भीड़भाड़ वाले लाल चौक इलाके में हुई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस पार्टी इलाके में नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान एक वाहन में सवार होकर आए आतंकियों ने पुलिस दल को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलियां चला दीं। इस गोलीबारी में ड्यूटी पर तैनात एक हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। साथी जवानों ने उसे तुरंत इलाज के लिए अनंतनाग के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल पहुंचाया, लेकिन दुर्भाग्यवश उसे बचाया नहीं जा सका।

सुरक्षाबलों का कड़ा एक्शन और तलाशी अभियान

हमले की सूचना मिलते ही स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। पुलिस, सीआरपीएफ और सेना की संयुक्त टीमों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाकों की कड़ी घेराबंदी कर दी है।

ICC वनडे रैंकिंग में गिल तख्तापलट करने से चूके, रोहित-विराट का फायदा

रूट की टॉप 10 में एंट्री

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बुधवार को पुरुष वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल तख्तापलट करने से चूक गए। वह 801 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (802) मामूली बढ़त के साथ नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बने हुए हैं। गिल ने हाल ही में इंग्लैंड तीन मैचों की वनडे सीरीज में 188 रन बनाए। उन्होंने लॉर्ड्स और बर्मिंघम में अर्धशतकीय पारी खेली थी। हालांकि, भारत ने 1-2 से सीरीज गंवा दी। दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली क्रमशः तीसरे और चौथे पायदान पर कायम हैं लेकिन दोनों को रेटिंग अंकों का फायदा हुआ। रोहित (758) के 14 जबकि कोहली (767) के 10 अंक बढ़े हैं। 'हिटमैन' के नाम से मशहूर रोहित ने लॉर्ड्स (110 गेंदों में 138) शतक जमाया था। कोहली ने सीरीज में 144 रन बटोरे।

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने टॉप 10 में एंट्री मारी है। वह चार पायदान चढ़कर आठवें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इंडिया सीरीज में सर्वाधिक 249 रन बनाए। वह तीन मैचों में नाबाद लौटे। रूट ने प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड अपने नाम किया था। उनके हमवतन बेन डकेट (11 पायदान ऊपर 19वें पर) और जैकब बेथेल (पांच पायदान ऊपर 64वें) ने भी वनडे बैटर्स की लिस्ट में आगे बढ़े हैं। डकेट (141) ने लॉर्ड्स वनडे में शतक जड़ा और बेथेल ने 91 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल (छह स्थान चढ़कर 54वें पर) और मार्क चैपमैन (10 स्थान चढ़कर 62वें पर) को भी लाभ है। दोनों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया।

आर्चर ने टॉप तीन में बनाई जगह

इंग्लैंड के धाकड़ तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने टॉप तीन में जगह बना ली है। वह एक पायदान चढ़कर वनडे बॉलर्स की सूची में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। आर्चर ने इंडिया सीरीज में कुल पांच विकेट चटकाए। उन्होंने लगातार दो मैचों में कोहली का शिकार किया। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद दूसरे नंबर पर हैं। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान नंबर-1 वनडे गेंदबाज हैं।

CJI सूर्यकांत करेंगे दल-बदल वाली याचिका पर सुनवाई

- उद्धव सेना को भी एक गुड न्यूज

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में दल बदल को लेकर बुधवार को दो बड़े घटनाक्रम हुए हैं। एक और जहां सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दल बदल को लेकर एक याचिका दाखिल की है। वहीं, अदालत ने शिवसेना यूबीटी को राहत और झटका एक साथ दे दिया है। एक ओर जहां अदालत उद्धव सेना की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जता दी। वहीं, विलय के फैसले पर तत्काल रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

दल बदल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

सिब्बल की तरफ से दी गई याचिका में इस बात पर चिंता जताई गई है कि दल बदल कानून कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा, 'इस देश में क्या हो रहा है? अगर ऐसा होना जारी रहा, तो 10वीं अनुसूची बेकार हो जाएगी...। एक और याचिका है जो दाखिल हुई है।' उनकी याचिका में 10वीं अनुसूची की व्याख्या को चुनौती दी गई है, जिसके जरिए अलग होने वाले गुट विलय की मदद से दल बदल कानून से बच जाते हैं।

यह याचिका सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी मोहाना की बेंच के सामने पेश की गई थी। उन्होंने कहा, 'हम इसे सूचीबद्ध करेंगे।'

सुप्रीम कोर्ट शिवसेना यूबीटी की याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है। जस्टिस एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और अन्य प्रतिवादियों से जवाब मांगा है। पीठ ने कहा, 'नोटिस जारी किया जाए।' तथा मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद के लिए सूचीबद्ध कर दी। मॉनसून सत्र से पहले लोकसभा अध्यक्ष ने 18 जुलाई को शिवसेना यूबीटी के छह सांसदों के शिंदे नीत शिवसेना में विलय को अनुमति दी थी।

शिवसेना यूबीटी ने लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष दलील दी थी कि उसके बागी सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए क्योंकि यह दल-बदल विरोधी कानून के दायरे में आता है। इन छह सांसदों के विलय के बाद लोकसभा में शिवसेना के सदस्यों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। शिवसेना यूबीटी के टिकट पर कुल नौ सांसद निर्वाचित हुए थे, जिनमें से छह शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं।

छात्रों की बात सुनना हमारी जिम्मेदारी

- बच्चों को गुमराह कर रहा विपक्ष; बोले राजनाथ सिंह

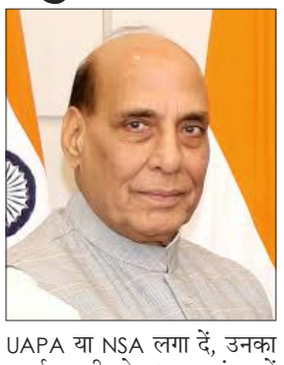

नई दिल्ली. NEET पेपर लीक पर जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन बुधवार को भी जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आज कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच दूसरे दौर की बातचीत हो सकती है। इससे पहले CJP के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार को चेतावनी देते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सरकार चाहे प्रदर्शनकारियों पर UAPA या NSA लगा दें, उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। इधर संसद में मॉनसून सत्र के तीसरे दिन भी हंगामा हुआ है।

इससे पहले CJP के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने इस आंदोलन को आजादी के बाद का भारत का सबसे बड़ा आंदोलन करार दिया। उन्होंने कहा, 'हमने यह बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि 20 तारीख को जो हुआ वह सिर्फ एक ट्रेलर था। अगर सरकार हमारी मांगों पर सहमत नहीं होती है, तो लाखों लोग दिल्ली आएंगे क्योंकि इस बार हम शांत नहीं बैठेंगे।' वहीं रांका ने प्रदर्शनकारियों के हिंसक होने के दावों को खारिज करते हुए कहा कि युवा पिछले 31 दिनों से महात्मा गांधी और अंबेडकर के सिद्धांतों पर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज करा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 जुलाई का मार्च भी शांतिपूर्ण था और अराजकता तब हुई जब पुलिस ने छात्रों की बर्बरता से पिटाई की।

सोनम वांगचुक से दीपके ने की अनशन खत्म करने की अपील

नई दिल्ली. कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के एक्टिविस्ट अभिजीत दीपके ने सोनम वांगचुक से अपील की कि वे अपनी लंबी भूख हड़ताल खत्म कर दें, क्योंकि उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। साथ ही, दीपके ने कसम खाई कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा, जब तक उनकी मुख्य मांगें पूरी नहीं हो जातीं। अभिजीत दीपके ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में वांगचुक की सेहत के लिए गहरी चिंता का जिक्र किया। दीपके ने कहा कि देश को सोनम वांगचुक की जरूरत है। दीपके ने कहा, 'हम सोनम वांगचुक सर से रिक्वेस्ट करते हैं कि वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें। देश को उनकी जरूरत है, और उनकी जान इतनी कीमती है कि उसे और खतरे में नहीं डाला जा सकता। जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट तब तक जारी रहेगा जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।' उन्होंने कहा, 'आज सोनम सर की भूख हड़ताल का 25वां दिन है। 25 दिन बिना खाए, इसलिए उनकी जान को बहुत बड़ा खतरा है। मैं नहीं चाहता कि सोनम सर को कुछ हो, इसलिए मैं सोनम सर से रिक्वेस्ट करता हूं कि वे अपनी भूख हड़ताल तोड़ दें। हम यह प्रोटेस्ट जारी रखेंगे।

संक्षेप...

एसी लोकल में तकनीकी खराबी से अफरा-तफरी

कल्याण. कल्याण स्टेशन पर बुधवार सुबह एसी लोकल के दरवाजों में आई तकनीकी खराबी के कारण करीब 20 मिनट तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। दरवाजे नहीं खुलने से यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने-उतरने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। स्थिति बिगड़ते देख आरपीएफ और महाराष्ट्र सुरक्षा बल के जवानों ने मोर्चा संभालकर व्यवस्था बहाल कराई। जानकारी के अनुसार, सुबह 8.54 बजे कल्याण से सीएसएमटी के लिए रवाना होने वाली एसी लोकल के कुछ दरवाजे आधे खुले, जबकि कई दरवाजे पूरी तरह बंद रहे। इससे यात्री आधे खुले दरवाजों से ही अंदर-बाहर होने लगे और यात्रियों में धक्का-मुक्की शुरू हो गई। मारा मारी जैसी स्थिति बन गई। सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच हाथ में छाता और पीठ पर बैग लेकर पहुंचे यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई।

भिवंडी मनपा की महासभा में हुआ हंगामा

- डीपी, कचरा, अवैध निर्माण,शहर विकास एवं पानी का उठा मुद्दा
- नगरसेवकों ने अलापा अपना अपना राग

भिवंडी. भिवंडी मनपा महापौर नारायण चौधरी की अध्यक्षता एवं उप महापौर तारिक मोमिन की मौजूदगी में सम्पन्न हुई महासभा में शहर विकास प्रारूप में धांधली, डीपी कैंसिल करने, कचरा, अवैध निर्माण, शहर विकास, पानी आदि अहम मुद्दों को नगरसेवकों ने उठाकर मनपा महापौर नारायण चौधरी और आयुक्त अनमोल सागर, अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके सहित संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया. नगरसेवकों ने आरोप लगाया कि, शहर की दशा बदहाल है.मनपा प्रशासन नागरिक समस्याओं के समाधान को लेकर कतई ध्यान नहीं दे रहा है.मनपा सदन में उपस्थित तमाम पार्टियों के अधिसंख्यक नगरसेवकों ने मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्याओं के समाधान पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की मांग की.

गौरतलब हो कि, मनपा महासभा में भाजपा वरिष्ठ नगरसेवक संतोष शेट्टी, नीलेश चौधरी, सेना नगरसेवक मनोज काटेकर कर, बाबा बाउद्दीन, ऋषिका राका, रोमा निलेश आलसी, नितेश एनकर आदि नगरसेवकों ने शहर विकास प्रारूप (डीपी) का मुद्दा उठाते हुए कहा कि, भिवंडी मनपा प्रशासन स्तर पर डीपी में भारी भ्रष्टाचार हुआ है.करोड़ों रुपए का लेनदेन कर शहर विकास को ठेंगा दिखाया है.भिवंडी शहर के विकास हेतु वर्षों से आरक्षित दर्जन भर भूखण्डों को डीपी कमेटी की बगैर मंजूरी ही स्थानीय विधायक, जनप्रतिनिधि से आर्थिक व्यवहार कर तमाम नियमों को दरकिनार कर मनपा आयुक्त ने अपनी पावर का गलत इस्तेमाल कर रिजर्व आरक्षण को हटा कर शहर विकास को ग्रहण लगा दिया है.मनपा प्रशासन ने प्रस्तावित डीपी को अंतिम मंजूरी के लिए पुणे नगर विकास संचालनालय भेजा है जिसे रोकना बेहद जरूरी है.पूर्व महापौर एवं वरिष्ठ पार्षद, विलास आर पाटिल ने डीपी संबंधित तमाम मुद्दों को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे के समक्ष रखे जाने पर जोर देते हुए कहा कि, मनपा प्रशासन ने जो भी भ्रष्टाचार किया उसका समाधान मंत्रालय स्तर पर ही संभव है.

महापौर ने दिए अधिकारियों को निर्देश

मनपा महापौर नारायण चौधरी ने नगरसेवकों की बातों को बेहद गंभीरता से सुना और प्रशासन को समस्याओं के निराकरण का निर्देश देते हुए कहा कि, अधिकारियों को जनहित समस्याओं के समाधान पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए .बरसात में संक्रामक बीमारियों के बचाव की खातिर कीटनाशक औषधि का छिड़काव फौरन कराना जरूरी है .महापौर ने बारिस से शहर की सड़कों पर हुए गड्ढों को भरने, गड्ढों पर चैबर लगाने, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश मनपा प्रशासन को दिया है .

सपा विधायक पर मनपा को बदनाम करने का आरोप

भाजपा नगरसेवक एवं प्रभाग समिति क्रमांक 5 सभापति एड वैभव भोईर ने सपा विधायक रईस शेख द्वारा विधानसभा में भिवंडी मनपा बजट में भारी घोटाला मुद्दे पर कड़ी आपत्ति का इजहार करते हुए कहा कि, सपा विधायक मनपा की बदनामी कर रहे हैं .मनपा बजट सही है .बजट में कोई घोटाला नहीं हुआ है .शहर विकास की खातिर सांसद, विधायक आदि जनप्रतिनिधियों सरकार से मदद लाना चाहिए .मनपा कार्य बेहतर रूप से अंजाम देने के लिए अधिकारी, कर्मचारियों की भर्तियां होनी जरूरी है .कांग्रेस वरिष्ठ नगरसेवक प्रशांत लाड़ ने शहर के वार्ड स्तरों पर शहर स्वच्छता, अवैध बांधकाम, शिक्षण व्यवस्था, स्वास्थ्य, खराब सड़कों का मुद्दा प्रशासन से हल किए जाने की मांग की . सेना वरिष्ठ पार्षद बालाराम चौधरी ने शहर की पानी समस्या के समाधान की खातिर 100 एमएलडी वाटर उपक्रम को समयावधि में पूर्ण किए जाने पर जोर दिया .अधिसंख्यक नगरसेवकों ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर, अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके से जनहित मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए कहा कि, शहर के वार्डों में कचरा जमा है .नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी फैली रहती है .लोगों को गंदगी से भारी तकलीफ उठानी पड़ती है .शहर में चारों तरफ सड़कों पर गड्ढों का जाल फैला है .गड्ढों में गिरकर लोग घायल होते हैं .स्वच्छ पानी भी ठीक से सुलभ नहीं है .टैक्स भुगतान के बाद भी लोगों को सुविधा नहीं मिल रही है .

फ्लाईओवर पर भीषण दुर्घटना, 1 की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल

भिवंडी. हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर तीन दोपहिया वाहनों से टकरा गई, जिससे 1 व्यक्ति की मौत हो गई और 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.दुर्घटना इतनी भीषण थी कि टक्कर लगने के बाद एक व्यक्ति सीधे पुल से नीचे सड़क पर जा गिरा.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भिवंडी की ओर आ रही एक कार फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार से चल रही थी और ओवरटेक करने की कोशिश में कार चालक ने नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे तीन दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी. एक दोपहिया वाहन का अज्ञात चालक सीधे फ्लाईओवर से सड़क पर गिर गया और 2 दोपहिया वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए.घायलों में शाहरुख खान (32) और आलम शाह (47) को स्थानीय लोगों ने तुरंत भिवंडी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. हादसे में कार चालक को भी मामूली चोटें आई हैं.

स्व. अजीत पवार को जयंती पर पुष्पांजलि दी

ठाणे. महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजीत अनंतराव पवार की पहली जयंती पर जिलाधिकारी कार्यालय के कमिटी हॉल में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्य सरकार द्वारा उनकी जयंती को आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल करने के बाद, 22 जुलाई को जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनकी याद में पुष्पांजलि दी।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल, निवासी उप जिलाधिकारी डॉ. संदीप माने, उपजिला चुनाव अधिकारी वैशाली माने, कोंकण विभागीय सूचना उपनिदेशक संजू चव्हाण और अन्य सरकारी अधिकारी मौजूद थे। शुरुआत में जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने स्वर्गीय अजीत पवार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इसके बाद अधिकारियों और कर्मचारियों ने चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। मौजूद लोगों ने प्रशासनिक काम में उनके अनुशासन, फैसले लेने की क्षमता और राज्य के विकास में उनके योगदान को याद किया।

प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट का क्लर्क रिश्वत लेते गिरफ्तार

- कडोंमपा में 30 साल में 48वां रिश्वतखोर कर्मचारी पकड़ा गया

कल्याण. कल्याण के B वार्ड, कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट में क्लर्क सिद्धार्थ रावसाहेब बोराडे (49) को मंगलवार शाम को एंटी-करप्शन डिपार्टमेंट की ठाणे टीम ने संतोषी माता रोड पर एक शिकायतकर्ता से 6,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। मनपा के 30 साल के कार्यकाल में यह 48वां रिश्वतखोर कर्मचारी है जो रिश्वत लेते पकड़ा गया है।

सिद्धार्थ बोराडे, कल्याण पश्चिम के B वार्ड में, अपने सीनियर अधिकारियों के गाइडेंस में प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट में वार्ड लिमिट के अंदर प्रॉपर्टी पर टैक्स लगाने का काम करते हैं। एंटी-करप्शन डिपार्टमेंट की शिकायत में कहा गया है कि इस मामले में शिकायतकर्ता जिस सोसायटी में रहते हैं, उसके ग्राउंड फ्लोर पर एक फोर-व्हीलर के लिए पार्किंग की जगह अपने नाम पर करवाना चाहते थे। अगर यह पार्किंग की जगह उनके नाम पर करानी थी, तो बोराडे ने इस काम के लिए गाड़ी के मालिक से 10,000 रुपये मांगे थे। गाड़ी का मालिक परेशान था क्योंकि इस काम के लिए पैसे मांगे जा रहे थे। जब गाड़ी के मालिक को लगा कि बिना पैसे दिए उसका काम नहीं होगा, तो उसने 17 जुलाई को ठाणे एंटी-करप्शन डिपार्टमेंट में बोराडे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

टीम ने 19 जुलाई को इस शिकायत की सच्चाई की जांच की। उस समय पता चला कि बोराडे शिकायत करने वाले से पैसे मांग रहा था। गाड़ी के मालिक ने बोराडे से कहा कि 10,000 रुपये की रकम देना मुमकिन नहीं है। आखिर में क्लर्क बोराडे ने समझौते के जरिए गाड़ी के मालिक से 6,000 रुपये लेने की तैयारी दिखाई। बोराडे ने गाड़ी के मालिक से कहा कि सिद्धार्थ बोराडे कल्याण में संतोषी माता रोड पर संत सावला भाजी मंडई के पास विजय सेल्स शॉप के सामने पब्लिक रोड पर रिश्वत की यह रकम लेगा। मंगलवार शाम को एंटी-करप्शन डिपार्टमेंट की टीम ने रिश्वत लेने वाले इलाके में जाल बिछा दिया।

तय समय पर, मंगलवार शाम 6:15 बजे, बोराडे गाड़ी के मालिक से पैसे लेने के लिए संत सावला भाजी मंडई के पास आया। जैसे ही गाड़ी के मालिक ने बोराडे को 6,000 रुपये की रिश्वत दी, टीम के अधिकारियों ने बोराडे को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। टीम ने बोराडे को हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए मनपा के B वार्ड ऑफिस ले आई। वहां आगे की पूछताछ के बाद, उसके खिलाफ लोकल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। बोराडे पिछले साल क्लास 4 कैडर से क्लर्क के पद पर प्रमोट हुए थे।

SST महाविद्यालय में DLLE द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

- विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता

उल्हासनगर. एस.एस.टी. महाविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग एंड एक्सटेंशन (DLLE) के तत्वावधान में तथा स्वामी सर्वानंद हॉस्पिटल के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में विद्यार्थियों के साथ-साथ प्राध्यापकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर के दौरान विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों ने प्रतिभागियों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। दृष्टिदोष, आंखों की स्वच्छता, कंप्यूटर एवं मोबाइल के बढ़ते उपयोग से आंखों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव तथा आंखों की उचित देखभाल के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिन लाभार्थियों को आवश्यकता थी, उन्हें आगे के उपचार हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह भी प्रदान की गई। इस शिविर का आयोजन प्रा. दिलीप आहूजा, प्रा. कोमल कामरा तथा प्रा. कुमकुम गुरबानी ने उत्कृष्ट योजना एवं समन्वय के साथ किया। स्वयंसेवकों के सहयोग से संपूर्ण शिविर सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रभावी संचालन एवं सफल क्रियान्वयन में उनके योगदान की उपस्थित लोगों ने सराहना की। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने नेत्र परीक्षण का लाभ उठाया। महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी पहल की सभी ने प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना, आंखों से संबंधित रोगों का समय पर निदान करना तथा नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व को रेखांकित करना इस शिविर का मुख्य उद्देश्य था।

स्व. अजित पवार की जयंती पर कई कार्यक्रम

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. अजित पवार की जयंती पर उप नगराध्यक्ष एवं राकांपा (अ.प.) के शहराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने महाआरोग्य शिविर, वृक्षारोपण, आंगणवाड़ी सेविकाओं का सम्मान और छोटे बच्चों को तोहफा भेंट करके अनेकेक कार्यक्रमों का आयोजन शहर पूर्व में किया गया. सदाशिव पाटिल स्वास्थ्य विभाग के सभापति भी हैं. उन्होंने मुफ्त स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया और मुफ्त में दवाइयां भी दी गईं. उन्होंने बताया कि इस कैम्प में आंख, हृदय की जांच, एक्सरे, दांत की जांच, कान, नाक, गले, शुगर की जांच मुफ्त में की गई. शहर के साथ कर्जत से भी कई डॉक्टरों की टीम मे कैम्प में भाग लेकर जांच करके दवाइयां दीं. पाटिल ने कहा कि अजित दादा पवार का आज जन्मदिन भी है, लेकिन बदकिस्मती से आज के दिन ही वह हमसे जुदा हो गए थे. आज उनकी जयंती हम लोग मना रहे हैं और उनके अच्छे कार्यों को देखते हुए इस कैम्प का आयोजन किया गया है, जिसमें मेडिकल कैम्प के साथ आंगनवाड़ी सेविकाओं का सम्मान किया गया. वृक्षारोपण किए गए और छोटे बच्चों को तोहफा भी दिया गया. इस कार्यक्रम में किसनराव तालमले, सचिव पाटिल, कमलाकर सूर्यवंशी, विनय मिश्रा, जलापूर्ति विभाग सभापति सुनिता पाटिल, गणेश गायकवाड़, विनोद शेलार आदि उपस्थित थे.

अमिताभ बच्चन की नहीं हुई सर्जरी

- ICU में होने के दावों पर खुद सफाई दी
- कहा- मैं बिल्कुल ठीक, पोस्ट को गलत समझा, वो मेसी पर थी

मंगलवार को अमिताभ बच्चन ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा 'अस्पताल में, एक सर्जरी के बाद और आईसीयू में, अनुभवी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखभाल में, फिर अस्पताल से छुट्टी और घर वापसी।' पोस्ट सामने आने के बाद से ही अनुमान लगाया जाने लगा कि बिग बी सर्जरी के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हुए हैं। अब उन्होंने खुद एक नए ब्लॉग में साफ किया है कि न ही वो आईसीयू में थे और न ही उनकी कोई सर्जरी हुई है। उनकी पोस्ट को गलत समझा गया।

अमिताभ बच्चन ने नए ब्लॉग में सफाई देते हुए लिखा है- मैं बिल्कुल ठीक हूं। मेरी पोस्ट को गलत समझ लिया गया। मैं सिर्फ एक उदाहरण दे रहा था। मेरा मतलब यह था कि किसी बड़ी सर्जरी या आईसीयू में रहने के बाद सबसे मुश्किल समय तब शुरू होता है, जब आप घर लौटते हैं और अपनी कमजोर या क्षतिग्रस्त हालत का सामना करते हैं। ठीक उसी तरह, जब कोई चैंपियन हारता है, तो उसके लिए सबसे कठिन लड़ाई अपने भीतर चल रही भावनाओं से होती है। मेरा इशारा अर्जेंटीना की हार और उस समय लियोनेल मेसी की मानसिक स्थिति की ओर था, एक ऐसे चैंपियन की, जिसे हार का सामना करना पड़ा। लेकिन लोगों ने यह मान लिया कि मैं यह बात अपने बारे में कह रहा हूं।

आगे उन्होंने लिखा है, 'लोगों ने इसे गलत समझ लिया। हर चैंपियन को यह स्वीकार करना पड़ता है कि समय के साथ कोई और नया चैंपियन आएगा। किसी चैंपियन के लिए यह मानना आसान नहीं होता कि अब उसकी जगह किसी और ने ले ली है। लेकिन यही जिंदगी का नियम है, और यह हमेशा होता रहेगा।'

आखिर में बिग बी लिखते हैं, 'मान लीजिए, भगवान न करे, आपको किसी बीमारी या समस्या के इलाज के लिए अस्पताल जाना पड़े। जब आप अस्पताल जाते हैं, तब तक आपका शरीर अपनी सामान्य अवस्था में होता है। फिर सर्जरी या इलाज के बाद बीमारी तो ठीक हो जाती है, लेकिन उसके बाद बदले हुए शरीर के साथ जीना और खुद को फिर से संभालना सबसे मुश्किल दौर होता है।'

ठाणे मनपा ने शहर में स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, धार्मिक जगहों के पास अवैध टपरी पर कार्रवाई

ठाणे. मनपा की सीमा में स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, धार्मिक जगहों और दूसरी पब्लिक जगहों के पास बिना इजाज़त के बने पान टपरी, चिकन/मटन की दुकानों, चाइनीज़ स्टॉल के खिलाफ कार्रवाई किया गया।

महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और आयुक्त सौरभ राव के निर्देश पर वर्तकनगर और मुंब्रा वार्ड कमेटी इलाकों में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करके कई बिना इजाज़त के कब्ज़ों को हटाया गया। नगरसेविका परिषा सरनाईक ने पब्लिक जगहों के पास बढ़ते बिना इजाज़त के कब्ज़ों का मुद्दा उठाया था।आयुक्त सौरभ राव ने इन कब्ज़ों के खिलाफ तुरंत और असरदार कार्रवाई करने का भरोसा दिया था।

इसी के मुताबिक, अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। मुंब्रा वार्ड कमेटी इलाके में 11 बिना इजाज़त टपरी, 8 ठेले और 4 स्टील की बाड़ें हटाई गईं।

साथ ही, वर्तकनगर वार्ड कमेटी इलाके में 10 बिना इजाज़त टपरी वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई और इलाके को अतिक्रमण मुक्त किया गया।

इसका मकसद स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और धार्मिक जगहों के आस-पास सुरक्षा बढ़ाना, ट्रैफिक और पैदल चलने वालों के रास्तों को रुकावटों से मुक्त रखना और सार्वजनिक जगहों पर साफ-सफाई, व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखना है।उपायुक्त (अतिक्रमण) जितेंद्र निकम के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान की योजना और क्रियान्वयन जोन 3 के उपायुक्त दिनेश तायडे, जोन 1 के उपायुक्त दीपक झिंजाड़ के समन्वय से किया गया। इस अभियान का नेतृत्व वर्तकनगर वार्ड समिति के सहायक आयुक्त गणेश चौधरी, मुम्ब्रा वार्ड समिति के सहायक आयुक्त विजय कावले ने किया। अतिक्रमण विभाग, वार्ड समिति के अधिकारी और कर्मचारी, पुलिस प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों की एक संयुक्त टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया। इस बीच, आयुक्त सौरभ राव ने कहा कि यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा।

अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग

- पुलिस कमिश्नर को दिया गया ज्ञापन

भिवंडी. भिवंडी के नगरसेवक नीलेश चौधरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे को ज्ञापन देकर भिवंडी तालुका में गैर-कानूनी शराब बेचने वालों, दुकानदारों, ज़मीन मालिकों और उनका साथ देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रभाग समिति के सभापति एड. वैभव भोईर, पूर्व नगरसेवक हनुमान चौधरी और महिलाएं शामिल थीं।

ज्ञापन में शिकायत की गई है कि भिवंडी तालुका इलाके में गैर-कानूनी शराब की बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही है। भले ही शराब बेचने वालों के पास कोई लाइसेंस नहीं है, फिर भी कुछ भ्रष्ट कर्मचारियों की मिलीभगत से गैर-कानूनी शराब का धंधा चल रहा है, जिससे सरकार के रेवेन्यू का बड़ा नुकसान हो रहा है।

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने भिवंडी तालुका में एक गोदाम पर रेड मारकर मेथनॉल स्टॉक ज़ब्त किया और गोदाम को सील कर दिया। हालांकि, भिवंडी डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस की सख़्त कार्रवाई की वजह से डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस एरिया में शराब की गैर-कानूनी बिक्री और हाथ भट्टियों पर कुछ दिनों के लिए रोक लग गई थी।

कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की मेहरबानी से इस बात की पूरी संभावना है कि भिवंडी तालुका में कुछ जगहों पर बिना इजाज़त के ज़हरीली हाथ भट्टियों के ज़रिए ज़हरीली शराब गैर-कानूनी तरीके से बेची जा रही है, ऐसा नीलेश चौधरी ने इस बयान में कहा है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099